2017

(3rd Semester)

HINDI

(Modern Indian Language)

Paper No. : HIN (MIL)-301

Full Marks : 70 *Pass Marks* : 45%

Time : 3 hours

(PART : B—DESCRIPTIVE)

(*Marks* : 45)

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 9×2=18

(क) जहाँ दया तहँ धर्म है, जहाँ लोभ तहँ पाप।
जहाँ क्रोध तहँ काल है, जहाँ छिमा तहँ आप॥

अथवा

परपीड़ा से पूर-पूर हो
थक-थककर औ, चूर-चूर हो
अमल-धवल गिरि के शिखरों पर
प्रियवर, तुम कबतक सोये थे?
रोया यक्ष कि तुम रोये थे?
कालिदास, सच-सच बतलाना।

(ख) जातियाँ इस देश में अनेक आई हैं। लड़ती-झगड़ती भी रही हैं, फिर प्रेमपूर्वक बस भी गई हैं। सभ्यता की नाना सीढ़ियों पर खड़ी और नाना ओर मुख करके चलनेवाली इन जातियों के लिए सामान्य धर्म खोज निकालना कोई सहज बात नहीं थी। भारतवर्ष के ऋषियों ने अनेक प्रकार से अनेक ओर से इस समस्या को सुलझाने की कोशिश की थी।

अथवा

"अच्छा तो फिर सुनो!" हीरोजी ने आरंभ किया— "जानते हो शहंशाह शाहजहाँ की लड़की शहजादी रौशनआरा एक दफे बीमार पड़ी थी, और उसे एक अंग्रेज डॉक्टर ने अच्छा किया था। उस डॉक्टर को शहंशाह शाहजहाँ ने हिंदुस्तान में तिजारत करने के लिए कलकत्ते में कोठी बनाने की इजाजत दे दी थी।"

2. 'नये वर्ष के शुभ संकल्प' निबंध की समीक्षा कीजिए। 9

अथवा

'नमक का दरोगा' कहानी के आधार पर पण्डित अलोपीदीन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. 'भ्रमरगीत' का भावार्थ अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। 9

अथवा

'गीत-फरोश' कविता के आधार पर कवि भवानी प्रसाद मिश्र के विचार पर प्रकाश डालिए।

(Continued)

4. निम्नलिखित अवतरण का उपयुक्त शीर्षक के साथ संक्षेपण कीजिए : 9

आकाश की सभी गतिविधियों का प्रतिफल पृथ्वी पर ही प्रकट होता है। आकाश की चाँदनी धरती पर फैलकर ही सुंदर बनती है। आकाश की नस-नस को अपनी गर्जना से तड़का देने वाले बादल धरती पर बरसकर ही जीवन रस बनते हैं। पृथ्वी माता है और आकाश पिता। आकाश में ही फैली हैं पृथ्वी की जड़ें। पृथ्वी की नस-नस में व्याप्त जल ही उसका प्राण रस है। यही फूल है, यही गंध है, यही फल है और यही फल का रस। जल में जीवन का उद्‌भव हुआ। जल ही जीवन का पोषण करता है और रक्षा भी। ठंडा होने पर सारे द्रव तलहटी में जमना प्रारंभ करते हैं तथा धीरे-धीरे ऊपर सतह की ओर जमते आते हैं। जल एकमात्र ऐसा द्रव है जो ऊपर की सतह से जमना शुरू करता है। सतह बर्फ बन जाती है तथा नीचे पानी और पानी में जीवन! यह है पानी की दयालुता, जल की करुणा! मंगल ग्रह पर जल की इसी करुणा का अनुभव वैज्ञानिकों को वहाँ जीवन होने के संकेत दे रहा है। वहाँ बर्फ हो सकती है तो बर्फ के नीचे पानी हो सकता है और पानी में कोई जीवन—चाहे बैक्टीरिया ही क्यों न हो।

★★★

2017

(3rd Semester)

HINDI

(Modern Indian Language)

Paper No. : HIN (MIL)-301

(PART : A—OBJECTIVE)

(*Marks* : 25)

The figures in the margin indicate full marks for the questions

SECTION—I

(*Marks* : 5)

निम्नलिखित विकल्पों में से सही विकल्प के सामने सही (✓) का चिह्न लगाइए : 1×5=5

1. "एक हजार नहीं, एक लाख भी मुझे सच्चे मार्ग से नहीं हटा सकते।" यह किसका कथन है?

   (क) पं० अलोपीदीन ( )

   (ख) वंशीधर ( )

   (ग) गाड़ीवान ( )

2. 'निश्चल' नाम से कविता कौन करते थे?

(क) ब्रजभूषण लाल त्रिपाठी ( )

(ख) रामविलास शर्मा ( )

(ग) मास्टर रुद्रनारायण ( )

3. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' के लेखक कौन हैं?

(क) हजारी प्रसाद द्विवेदी ( )

(ख) राम खिलावन शर्मा ( )

(ग) मास्टर रूपनारायण ( )

4. "काको नाम पतित-पावन जग, केहि अति दीन पियारे"—यह पंक्ति कहाँ से ली गई है?

(क) सूक्तियाँ ( )

(ख) विनय-पत्रिका ( )

(ग) भ्रमरगीत ( )

5. इनमें से ऐतिहासिक व्यक्ति कौन हैं?

(क) मास्टर रुद्रनारायण ( )

(ख) ब्रजभूषण लाल त्रिपाठी ( )

(ग) वृन्दावन लाल वर्मा ( )

SECTION—II

(*Marks* : 10)

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×5=10

1. ब्रजभूषण लाल त्रिपाठी के विषय में लिखिए।

2. 'मुगलों ने सल्तनत बख्श दी' कहानी में दो कल्पनाओं ने क्या-क्या उत्पन्न किया है? लिखिए।

3. शहजादी रौशनआरा के विषय में लिखिए।

4. "तब वे लता लगति अति सीतल, अब भई विषम ज्वाल की पुंजै।" इस पंक्ति में कवि का विचार क्या है? लिखिए।

5. 'कालिदास' कविता में कवि शिवजी की तीसरी आँख के विषय में क्या कहना चाहता है?

6. कविवर कबीर 'सुख में भी ईश्वर का नाम' लेने को क्यों कहते हैं? कुछ वाक्यों में लिखिए।

7. 'धूम समूह निरखि चातक ज्यों तृषित जानि मति घन की' का भाव स्पष्ट कीजिए।

SECTION—III

(*Marks* : 10)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** शब्दों के विलोम शब्द लिखिए : ½×4=2

आयात ; आकार ; एक ; उपस्थित ; प्रकाश ; प्रशंसा ; आगमन

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1×3=3

फूल ; आँख ; नदी ; रास्ता ; पेड़ ; शरीर

3. वाक्य-प्रयोग द्वारा निम्नलिखित में से किन्हीं तीन मुहावरों के अर्थ स्पष्ट कीजिए : 1×3=3

पाँचों उँगलियाँ घी में होना ; आँख मारना ; कान देना ; दाँत खट्टा करना ; लोहा लेना ; सिर पर सवार होना

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों से दो-दो शब्द बनाइए : 1×2=2

आई ; इक ; तया ; आवा ; त्व

* * *